22 April, 2013

पंजाब केसरी

सोशल मीडिया के 2 पहलू, सकारात्मक और नकारात्मक

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस आयोजित, कार्यक्रम के दौरान की सोशल मीडिया के बढ़ते महत्व पर परिचर्चा

शिमला, 21 अप्रैल (कृष्ण): राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस के अवसर पर रविवार को बचत भवन में पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (पी.आर.एस.आई.) शिमला चैप्टर ने सोशल मीडिया का बढ़ता महत्व और जनसंपर्क की भूमिका विषय पर परिचर्चा आयोजित की जिसकी अध्यक्षता पत्रकार पी.सी. लोहमी ने की। पी.सी. लोहमी ने कहा कि सोशल मीडिया एक क्रांति बनकर उभरा है जिसके सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक पहलू भी हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आगामी 10 वर्षों में पूरे विश्व का प्रमुख मीडिया बनकर उभरने वाला है इसलिए हमें इसके साथ चलना होगा। उन्होंने कहा कि मीडिया और जनसंपर्क व्यवसायियों, दोनों के लिए सोशल मीडिया बराबर का महत्व रखता है और इसका बेहतरीन उपयोग सुनिश्चित बनाने के लिए नियमित, उचित और सही सूचना के संप्रेषण पर ध्यान देना होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि पत्रकारिता

शिमला : बचत भवन में आयोजित राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर परिचर्चा की अध्यक्षता करते वरिष्ठ पत्रकार पी.सी. लोहमी। (फोटो)

से जुड़े लोग अधिकांश सूचना के लिए इंटरनैट पर निर्भर होते जा रहे हैं और शोध कार्य धीरे-धीरे कम होता जा रहा है जो अच्छा संकेत नहीं है।

सोशल मीडिया से आ रहा बदलाव

दि ट्रिब्यून के एसोसिएट एडिटर दिनेश कुमार ने कहा कि आज अत्याधिक सूचना का संप्रेषण हो रहा है लेकिन इसमें ज्ञान की अधिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि मीडिया शोध और सूचना के अन्वेषण पर अधिक ध्यान दिया जाए ताकि लोगों के समक्ष वास्तविक और तथ्यों पर आधारित जानकारी प्रस्तुत की जा सके।

प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए एक बड़ी चुनौती

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र मखैक सोशल मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए क कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण आ से लेकर खास व्यक्ति इसका उपयोग करने के लि बाध्य हो रहे हैं और आने वाले समय में यह प्रिंट औ इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन वाला है।

पी.आर.एस.आई. के राज्य में 38 चैप्टर

पी.आर.एस.आई.के शिमला चैप्टर के अध्यक्ष बी. शर्मा ने कहा कि पी.आर.एस.आई. एक राष्ट्रीय संग है जिसके विभिन्न राज्यों में करीब 38 चैप्टर पी.आर.एस.आई. से जनसंपर्क और कार्पोरेट क्षेत्र व्यवसायी जुड़े हैं जो व्यावसायिक दक्षता के साथ साथ राष्ट्रीय, सामाजिक और अन्य महत्वपूर्ण विष पर लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे